4. अभिनव मनुष्य

1. 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम क्या है ?

   रामधारीसिंह 'दिनकर'

2. 'अभिनव मनुष्य' कैसी कविता है ?

   आधुनिक कविता है।

3. 'अभिनव मनुष्य' कविता में किसका गुणगान किया गया है ?

   आधुनिक मानव का गुणगान

4. अभिनव मनुष्य कविता में किसका विश्लेषण हुआ है ?

   वैज्ञानिक युग और आधुनिक मानव का

5. दिनकर जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

   सन् 1904 में बिहार प्रांत के मुंगेर जिले में

6. दिनकर जी के किस काव्य-कृति को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला है ?

   उर्वशी (1972 में)

7. आज का मानव ने किस पर विजय प्राप्त कर ली है ?

   प्रकृति के हर तत्व

8. दिनकर जी के अनुसार विडंबना क्या है ?

   आज के मानव ने स्वयं को ही नहीं पहचाना है, अपने भाईचारे को नहीं समझा है ।

9. मनुष्य की साधना क्या है ?

   प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है ।

10. मानव की सिध्दि क्या है ?

    मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिध्दि है ।

11. मानव कहलाने का अधिकारी कौन होगा ?

    जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा ।

12. आज की दुनिया कैसी है ?

    विचित्र और नवीन

13. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय प्राप्त की है ?

    प्रकृति

14. आधुनिक पुरुष कहाँ आसीन है ?

    प्रकृति पर

15. आज के नर (आधुनिक पुरुष) के करों (हाथों) में क्या-क्या बँधा है ?

    वारि, विद्युत और भाप

16. मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?

    पवन का ताप

17. नर किन-किनको एक समान लाँघ सकता है ?

    सरित्, गिरि और सिन्धु को (नदी, पर्वत और सागर को)

18. आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है ?

    गगन में

19. परमाणु किसे देखकर काँपते हैं ?

    मानव के करों (हाथों) को

20. सृष्टि का श्रृंगार कौन है ?

    मनुज

21. यह मनुज किसका आगार है ?

ज्ञान का, विज्ञान का और आलोक(प्रकाश) का

22. आज के मनुज को कहाँ से कहाँ तक सब कुछ ज्ञेय है ?

व्योम से पाताल

23. व्योम से पाताल तक किसे सब कुछ जानकारी है ?

आज के मनुज को

24. कवि के अनुसार आज मनुज क्या तोड़ देना चाहिए ?

नर - नर के बीच का व्यवधान

25. दिनकर जी के अनुसार मानव के लिए क्या श्रेयस्कर नहीं है ?

स्वयं को न पहचानना, भाईचारे को न समझना, मानव-मानव के बीच दूरी रखना

26. दिनकर जी के अनुसार मानव के लिए क्या श्रेयस्कर है ?

मनुज को स्वयं का परिचय होना, बुध्दि पर उर (हृदय) की जीत होना, मानव-मानव के बीच प्रीत होना, आपसी की दूरी को मिटाना

27. दिनकर जी के अनुसार 'मानव का सही परिचय' क्या है ?

मानव स्वयं को पहचाने, भाईचारे को समझे, मानव-मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, यही मानव का सही परिचय है ।

28. दिनकर जी के अनुसार कौन 'मानव' कहलाता है ?

जिसको स्वयं का परिचय हो, बुध्दि से भी उर का सुननेवाला हो , नर-नर के बीच का व्यवधान तोड़कर, असीमित मानव-मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटानेवाला ही ज्ञानी, विद्वान और 'मानव' कहलाता है ।

29. 'अभिनव मनुष्य' कविता से क्या सीख मिलती है ?

आधुनिक युग हो या वैज्ञानिक युग, हमें मानवीयता को नहीं भूलना चाहिए । आपस में प्रेम, भाईचारा, स्नेह जैसे भावनाओं का महत्व समझने की सीख मिलती है ।